जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य पर आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार 'जनजातीय विकास एवं विस्तार'

दिनांक - 15 नवंबर 2023

दिनांक 15 नबम्बर 2023 को आशा पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन और वेद फाउंडेशन द्वारा शहीद बिरसा मुंडा की जन्मजयंती पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनजातीय गौरव दिवस पर मनाया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय वेबिनार 'जनजातीय विकास एवं विस्तार' आयोजित किया गया। "इस अवसर पर शोध, नवाचार, अकादिमक एवं सामाजिक कार्यों के विस्तार हेतु शासकीय महाविद्यालय पीथमपुर तथा आशा-पारस फॉर पीस एंड हारमनी फाउंडेशन एवं वेद फाउंडेशन से अकादिमक अनुबंध (एमओयू) का लोकार्पण किया गया"।



अध्यक्षीय उद्बोधन देते डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपित एवं आशा पारस फॉर पीस एंड हार्मनी की निदेशक प्रो. आशा शुक्ला ने कहा कि जनजाति समाज के विकास और विस्तार के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है। आदिवासी अंचल में ह्यूमन ट्रैफिकिंग मुश्किल हालातों को बढ़ा रहे हैं। शिक्षा के अभाव के कारण जनजातीय बच्चियों की खरीद फरोख्त कर उनसे विवाह कर लेते हैं, बाद में उनका शोषण कर उन्हें छोड़ देते हैं। दोनों फाउंडेशन द्वारा निरंतर जनजातीय चिंतन, मंथन युक्त सेमिनार, कार्यशाला तथा

शोध आयोजित किया जाता है ताकि सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन किया जा सके।

मुख्य अतिथि के रूप में उद्बोधन देते हुए डॉ. हिरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य के विभागाध्यक्ष प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि देशज ज्ञान के मामले में आदिवासी समुदाय हमेशा से समृद्ध रहा है। समुदाय जहां एक ओर विकास और विस्तार की राह देख रहा है, वहीं राष्ट्र के विकास में लोक परंपराओं सिहत योगदान भी दे रहा है। जनजातीय समुदाय के देशज ज्ञान को संग्रहित करने की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के समाजशास्त्र विभाग, प्रोफेसर अनीता धुर्वे ने कहा अस्तित्व अस्मिता और विकास पर प्रत्येक समाज केंद्रित रहता है। यही अस्तित्व और अस्मिता जनजातीय समाज के लिए चुनौती का विषय है। आधुनिक जनजातीय समुदाय उपभोक्तावाद में पड़ गया है। रोटी कपड़ा और मकान को पूर्ण प्राप्ति से ही विकास को एक दिशा मिलती है। उचित कार्य क्रियान्वयन को मूल्यांकन करने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, मध्य प्रदेश पुलिस इंदौर सीमा अलावा ने कहा कि बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, धार्मिक नेता और लोक नायक थे। आदिवासी कल्याण के लिए निरंतर संघर्षशील रहे। सीमा अलावा ने कहा 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 703 जनजातियां निवासरत हैं तथा कुल आबादी का लगभग 10% जनजातीय समुदाय से संबंधित है।

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन विभाग की डॉ. जया फूकन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि जनजातीय गौरव शहीद बिरसामुंडा माँ भारती की परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़ने तथा जल, जंगल, जमीन व जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर देने वाले जनजातीय नायक, बिरसा मुंडा राष्ट्र नायक के रूप में पूजित हैं। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक तरक्की में ज्ञान की अत्यंत आवश्यकता है।

स्वागत एवं प्रस्तावना वक्तव्य एशियन थिंकर जर्नल के प्रधान संपादक डॉ. रामशंकर ने दिया तथा कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्था के प्रबंधक लव चावडीकर ने किया। अकादिमक सहयोगी संस्था शास. महाविद्यालय पीथमपुर के प्राचार्य डॉ. विनोद खत्री द्वारा एमओयू लोकार्पण के अवसर पर सभी को सुभकामना और धन्यवाद देते हुए अपने विचार रखे। इस अवसर पर विभिन्न प्रदेशों जनजातीय समाज सहित नामचीन अध्येता, प्राध्यापक राष्ट्रीय वेबिनार से जुड़े रहे।

National Webinar 'Tribal Development and Expansion' organized by Asha Paras for Peace and Harmony Foundation and Ved Foundation on the occasion of Janjatiye Gaurav divas.

Date - 15 November 2023

Like every year, the birth anniversary of Martyr Birsa Munda was celebrated as Tribal Pride Day on 15th November 2023 by Asha Paras for Peace and Harmony Foundation and Ved Foundation. On this occasion, a national webinar 'Tribal Development and Expansion' was organized. "On this occasion, Academic Agreement (MoU) was inaugurated with Government College Pithampur and Asha-Paras for Peace and Harmony Foundation and Ved Foundation for expansion of research, innovation, academic and social work".

Giving the Presidential address Prof. Asha Shukla, Former Vice Chancellor of Dr. B.R. Ambedkar



University Social Sciences and Director of Asha Paras for Peace and Harmony Foundation, India, said that continuous efforts are necessary for the development and expansion of the tribal society. Human trafficking is increasing the difficult situations in tribal areas. Due to lack of education, tribals buy and marry girls, later exploit them and abandon them. Both the foundations continuously organize seminars, workshops and research based on tribal thinking so that social responsibilities can be discharged.

Giving address as chief guest, Prof. Diwakar Singh Rajput, Head of the Department, Sociology and

Social Work, Dr. Harisingh Gour University, Sagar said that the tribal community has always been rich in terms of indigenous knowledge. While on one hand the community is looking forward to development and expansion, on the other hand it is also contributing to the development of the nation along with folk traditions. There is a need to store the indigenous knowledge of the tribal community.

Speaking as the keynote speaker, Professor Anita Dhurve, Department of Sociology, Barkatullah University, Bhopal said that every society focuses on survival, identity and development. This very existence and identity is a matter of challenge for the tribal society. The modern tribal community has fallen into consumerism. Development gets a direction only by getting complete food, clothing and shelter. Proper implementation needs to be evaluated.

Speaking as the special guest, Seema Alawa, Additional Deputy Commissioner of Police, Madhya Pradesh Police Indore said that Birsa Munda was an Indian freedom fighter, religious leader and folk hero. Constantly fought for the welfare of tribals. Seema Alava said that according to the 2011 census, there are about 703 tribes living there and about 10% of the total population belongs to the tribal community.

Dr. Jaya Phukan of the Department of Women's Studies of Barkatullah University, speaking as a special guest, said that tribal pride martyr Birsa Munda gave his all to break the shackles of subjugation of Maa Bharati and to protect water, forest, land and tribal culture and traditions. Birsa Munda, a sacrificial tribal hero, is revered as a national hero. Knowledge is extremely important for the economic progress of any nation.

The welcome and introductory speech was given by Dr. Ramshankar, Editor-in-Chief of Asian Thinker Journal and the program was conducted and the vote of thanks was conducted by Love Chawdikar, Manager of the organization. Academic Collaborative Institution Shas. On the occasion of the inauguration of the MOU, Dr. Vinod Khatri, Principal of the College, Pithampur, expressed his views by wishing well and thanking everyone. On this occasion, renowned scholars and professors including tribal society from different states were associated with the national webinar.